अल्ज़ाइमर रोग

अल्ज़ाइमर रोग के इलाज के लिये **बायोजेन और आईसाई कंपनी** द्वारा विकसित एक दवा **लेकानेमाब (Lecanemab)** को **यूएस फूड एंड मेडसिनि एडमनिसि्ट्रेशन** (FDA) से "त्वरित" अनुमोदन प्राप्त होने के बाद अब एक अन्य दवा कंपनी**एली लिली** ने अल्ज़ाइमर के उपचार के लिये **डोनानेमाब (Donanemab)** दवा तैयार की है।

- वर्तमान में डोनानेमाब अमेरिका और यूरोप में उपयोग के लिये स्वीकृत नहीं है।

लेकानेमाब और डोनानेमाब:

- **परिचय:**
  - डोनानेमाब **एंटीबॉडी-आधारित उपचारों** से संबंधित है जो अमाइलॉइड-बीटा (Aβ) प्रोटीन को लक्षित करती है। ये प्रोटीन**मस्तिष्क में अमाइलॉइड प्लाक** (शरीर के किसी हिस्से अथवा अंग पर ऊतक का एक छोटा, असामान्य पैच) बना सकते हैं, जिससे संज्ञानात्मक अनुभूति में कमी आ सकती है।
    - डोनानेमाब का उद्देश्य इन **प्लाक को हटाना** और रोग की बढ़ने की गति को धीमा करना है।
    - **लेकानेमैब** मोनोक्लोनल एंटीबॉडी नामक दवाओं के एक वर्ग से संबंधित है। ये एंटीबॉडी-मध्यस्थ दवाएँ बीटा एमिलॉयड को भी लक्षित करती हैं और सेल फंक्शन को बाधित करती हैं।
- **सुरक्षा चिंताएँ और दुष्प्रभाव:**
  - डोनानेमाब और लेकानेमाब दोनों में साइड इफेक्ट का उच्च जोखिम होता है, जिसमें**अमाइलॉइड-संबंधित इमेजिंग असामान्यताएँ (ARIA) जैसे कि मस्तिष्क में सूजन या रक्तस्राव** शामिल हैं।
  - दुख की बात यह है कि **डोनानेमाब परीक्षणों में तीन रोगियों ने इन दुष्प्रभावों के कारण** अपनी जान गँवा दी।

अल्ज़ाइमर रोग:

- **परिचय:**
  - **अल्ज़ाइमर रोग एक प्रगतिशील न्यूरोडिजनरेटिव विकार है जो मस्तिष्क को प्रभावित** करता है, इसके कारण **स्मृति हानि, संज्ञानात्मक गिरावट, व्यवहार परिवर्तन, बोलने या लिखने में समस्या, निर्णय लेने की क्षमता में कमी, मनोदशा और व्यक्तित्व में परिवर्तन,** समय या स्थान के साथ भ्रम आदि समस्याएँ हो सकती हैं।
  - अल्ज़ाइमर रोग **मनोभ्रंश का सबसे आम कारण** है, जो **मनोभ्रंश के 60-80% मामलों के लिये ज़िम्मेदार** है।
- **कारण और जोखिम कारक: वर्तमान में अल्ज़ाइमर के कारणों का पूरी तरह से पता नहीं चल पाया है, फिर भी अल्ज़ाइमर में योगदान करने वाले कारकों में निम्नलिखित शामिल हैं:**
  - **आयु: 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों में होने वाले अधिकांश मामलों** के साथ बढ़ती उम्र इसका प्राथमिक जोखिम कारक है।
  - **जेनेटिक्स:** कुछ जीन म्यूटेशन जैसे कि **APP, PSEN1 और PSEN2** अल्ज़ाइमर के विकास के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।
  - **अमाइलॉइड प्रोटीन:** ऐसा माना जाता है कि अल्ज़ाइमर रोग मस्तिष्क की कोशिकाओं में और उसके आसपास अमाइलॉइड-बीटा तथा टाउ प्रोटीन के असामान्य निर्माण के कारण होता है।
    - अमाइलॉइड-बीटा प्रोटीन मस्तिष्क में तंत्रिका कोशिकाओं के बीच प्लाक बनाने के लिये एक साथ चिपक जाता है, जबकि टाउ प्रोटीन न्यूरॉन्स के अंदर मुड़ी हुई गाँठें बनाता है।
  - **जीवनशैली संबंधी कारक: हृदय रोग, मधुमेह, मोटापा, धूम्रपान** और सुस्त जीवनशैली जैसी पुरानी स्थितियाँ इस जोखिम में योगदान कर सकती हैं।
- **निदान:**
  - स्मृति, सोच और समस्या को सुलझाने की क्षमता का आकलन करने हेतु संज्ञानात्मक एवं न्यूरोसाइकोलॉजिकल परीक्षण।
  - मस्तिष्क में परिवर्तन की पहचान करने हेतु इमेजिंग तकनीक (MRI, PET स्कैन)।
  - अमाइलॉइड पैच का पता लगाने हेतु बायोमार्कर परीक्षण **(मस्तिष्कमेरु द्रव विश्लेषण, अमाइलॉइड PET)।**
- **उपचार और प्रबंधन:**
  - वर्तमान में **अल्ज़ाइमर रोग का कोई इलाज नहीं है** लेकिन ऐसी दवाएँ और सहायक उपचार उपलब्ध हैं जो लक्षणों को अस्थायी रूप से कम कर सकते हैं।
- **प्रसार:**

- अल्ज़ाइमर रोग विश्व भर में बड़ी संख्या में लोगों को प्रभावित करता है, **कम-से-कम 55 मिलियन लोग इस स्थिति से पीड़ित हैं।**
- भारत में आबादी बढ़ने के साथ-साथ **वर्ष 2030 तक डिमेंशिया और अल्ज़ाइमर के पीड़ितों की संख्या बढ़कर 7.6 मिलियन होने का अनुमान है।**

डिमेंशिया (मनोभ्रंश):

- मनोभ्रंश एक समेकित शब्द है जो **लक्षणों के एक समूह को संदर्भित करता है और संज्ञानात्मक क्षमता में गिरावट इसकी विशेषता** है जो स्थिति दैनिक कामकाज़ को गंभीर रूप से प्रभावित करती है।
- मनोभ्रंश वर्तमान में **मृत्यु के सात प्रमुख कारणों में से एक** है और विश्व स्तर पर वृद्धजनों में दिव्यांगता व निर्भरता के प्रमुख कारकों में शामिल है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/alzheimer-s-disease-1